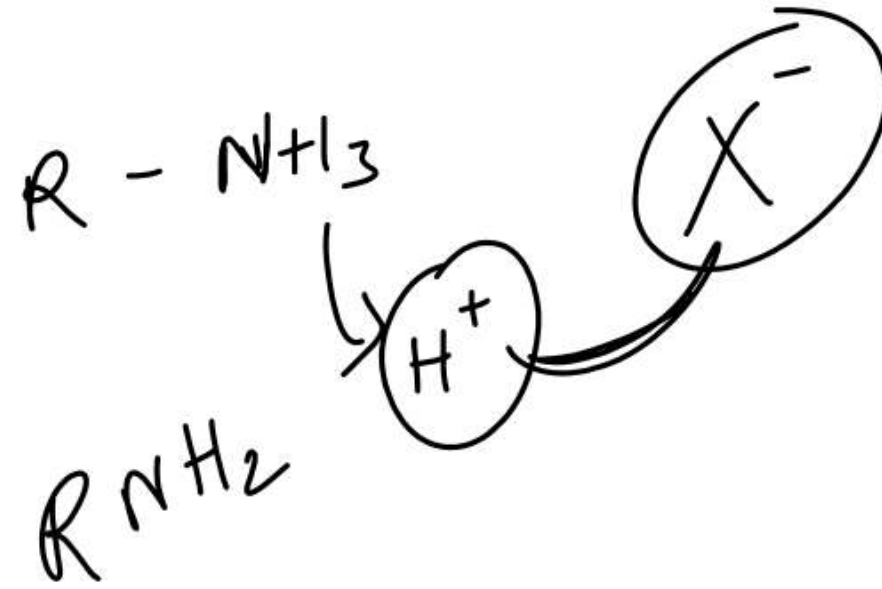
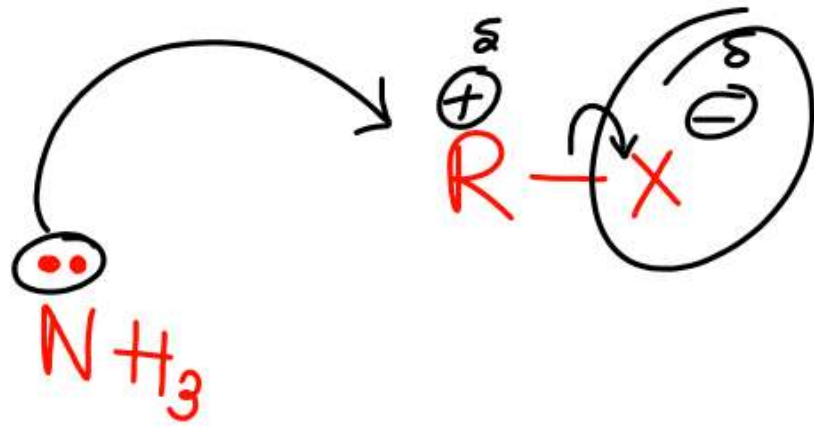
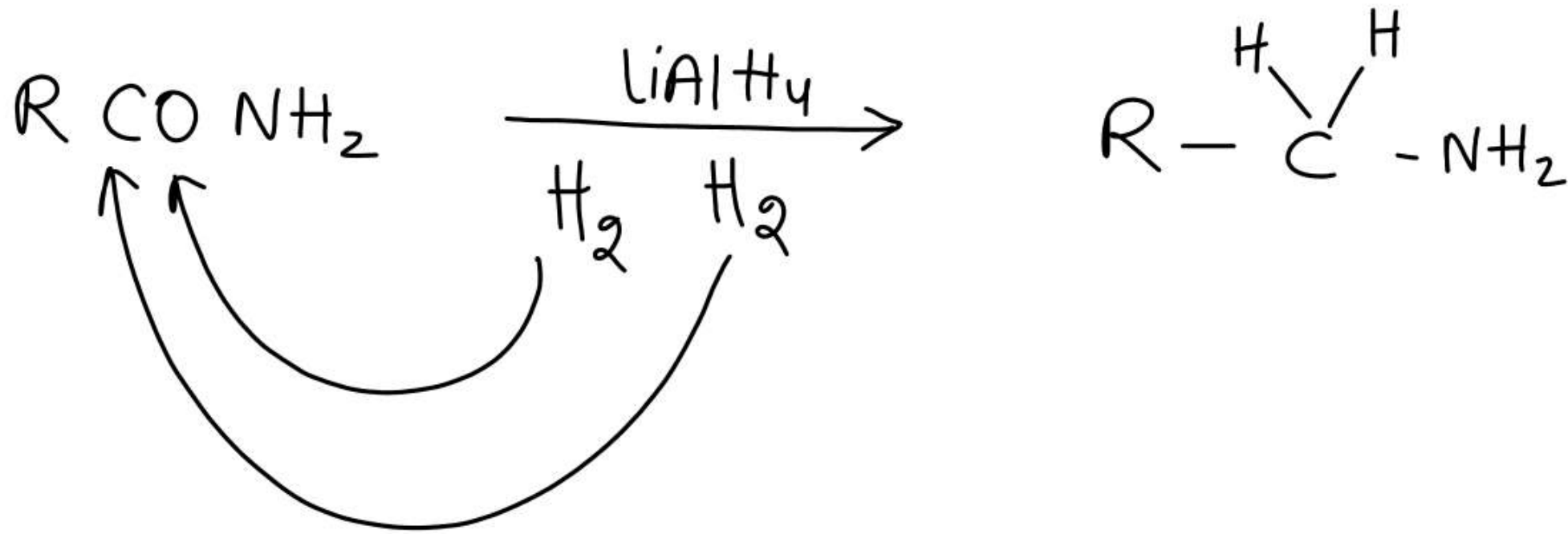


## ऐमीन बनाने की विधि

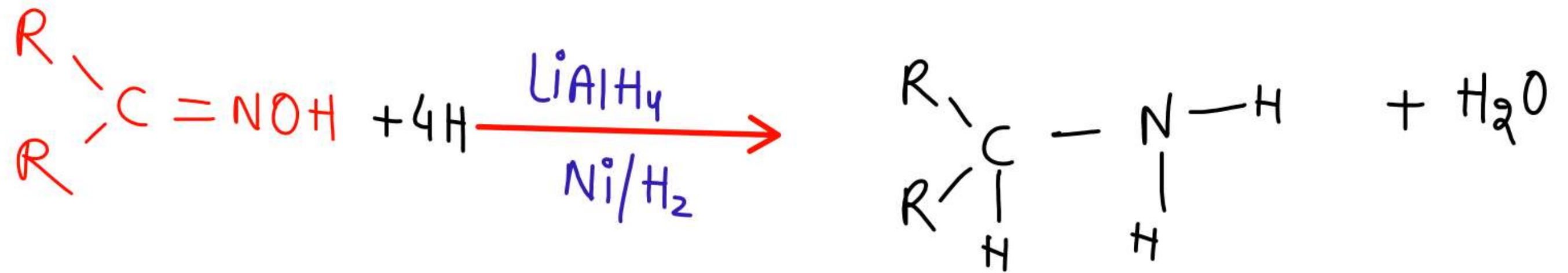
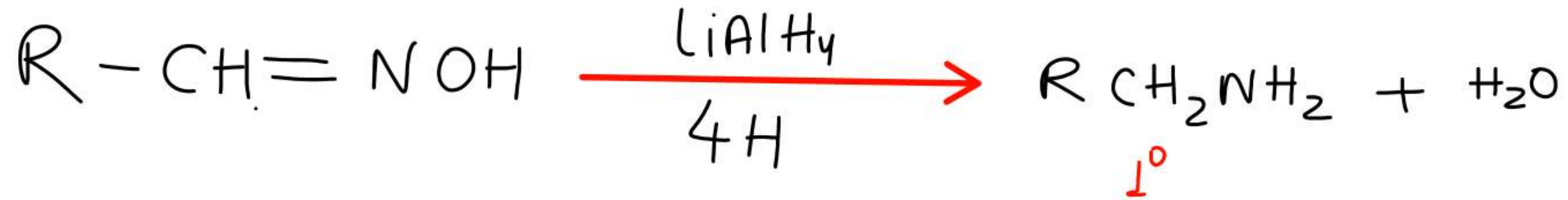
(a) ऐल्किल हैलाइड से- ऐल्किल हैलाइड की अभिक्रिया अत्यधिक अमोनिया से कराने पर ऐलिफैटिक ऐमीन प्राप्त होते है ।



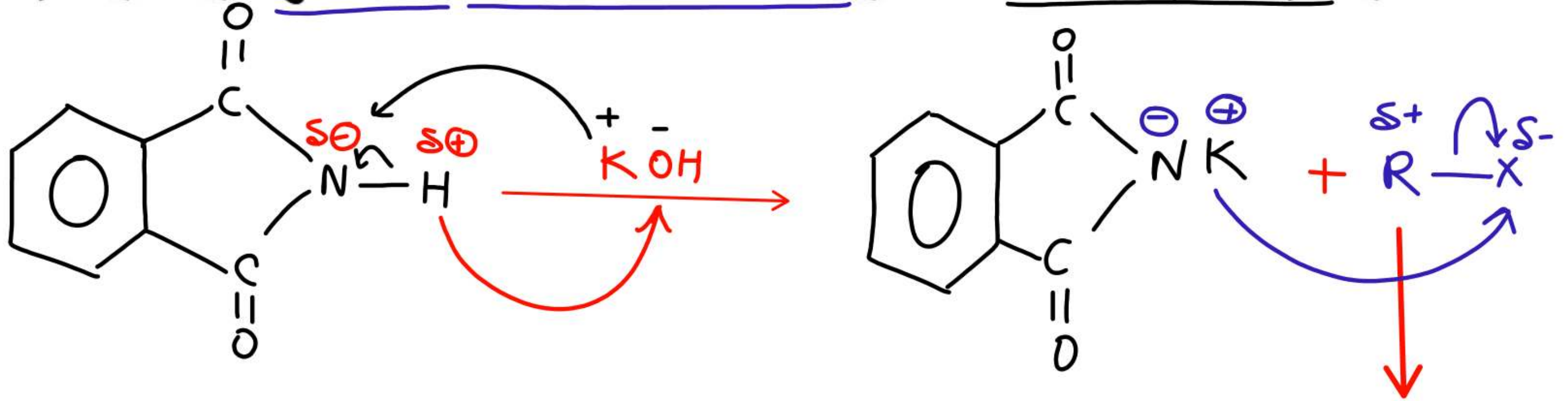
(d) एसिड एमाइड के अवकरण से - एसिड एमाइड का अवकरण लिथियम ऐलुमिनियम हाइड्राइड की उपस्थिति में कराते है तो प्राइमरी ऐमीन बनता है।

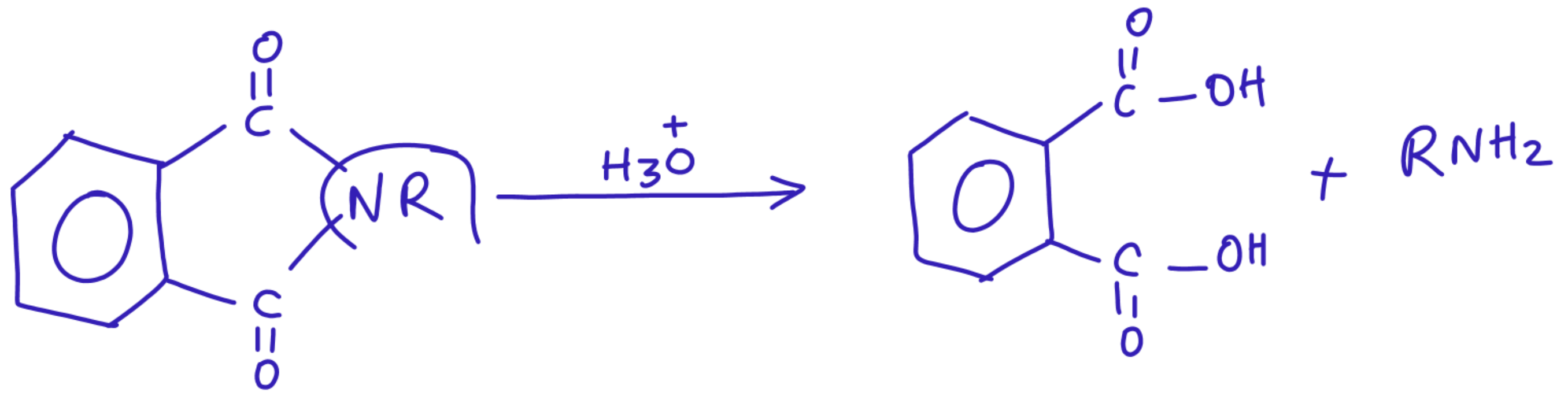


(e) ऑक्सीम के अवकरण से - एल्डिहाइड और कीटोन के ऑक्सीम का अवकरण लिथियम ऐलुमिनियम हाइड्राइड या Ni/H<sub>2</sub> की उपस्थिति में कराते है तो ऐमीन बनता है।

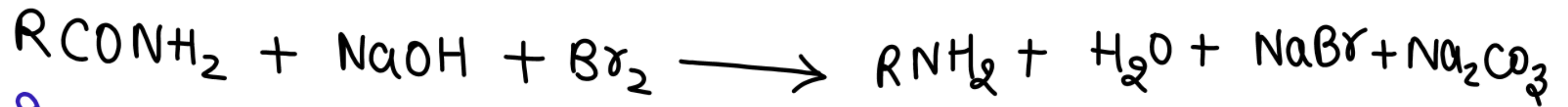


(f) **गैब्रिएल थैलिमाइड संश्लेषण** इस विधि में थैलिमाइड की अभिक्रिया **एथेनॉलिक KOH** के साथ करके **पोटैशियम थैलिमाइड** बनाते हैं, जो **ऐल्किल हैलाइड** से क्रिया कर **N- ऐल्किल थैलिमाइड** देता है। यह तनु **HCl** के साथ **जल-अपघटित** होकर **प्राथमिक ऐमीन** देता है।





\* हॉफमान ब्रोमिमाइड अभि. :-



सोडियम हाइड्रॉक्साइड के विलयन में ब्रोमीन के साथ एमाइड की अभि. कराने पर अमीन प्राप्त होता है, यह अभि. हॉफमान ब्रोमिमाइड अभि. कहलाती है।

RNH<sub>2</sub>

R-F < R-Cl < R-Br < R-I

R-F > R-Cl > R-Br > R-I

B.L RF < RCl < RBr < RI

ROR

